



## भारत के स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ

### आजादी के 75 साल होने पर केजरीवाल ने केंद्र से की मांग, जनता को फ्री मिलें ये बड़ी सुविधाएं.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रेवड़ी कल्चर वाले बयान पर पलटवार करते हुए जनता को मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं देने की वकालत की है. इस बार उन्होंने आजादी के 75 साल होने के मौके पर देश के हर नागरिक के लिए नई सुविधाओं की मांग कर डाली है.

केजरीवाल ने कहा कि देश में फ्री शिक्षा बंद करने की साजिश हो रही है. उन्होंने रेवड़ी कल्चर पर पीएम मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मुफ्त में पानी, बिजली देना गुनाह है क्या? उन्होंने सरकार से देशभर में अच्छी मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बेरोजगारी भत्ता और 300 यूनिट बिजली देने की मांग की है.

उन्होंने कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में मुफ्त सरकारी कल्याण सेवाओं को मजबूत करने के बजाए ऐसी सुविधाओं को सौगात करार देकर उनके खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है.



उन्होंने कहा कि देश में सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा और सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज के खिलाफ देश में माहौल बनाया जा रहा है. दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी चीजों का विरोध करने वालों को गद्दार कहा जाना चाहिए.

बीजेपी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि इन सुविधाओं को जो लोग रेवड़ी कर रहे हैं वे देश की जनता के साथ धोखा कर रहे हैं.

उन्होंने कहा कि मुफ्त शिक्षा के खिलाफ माहौल बनाना गलत है क्योंकि यह देश के हर बच्चे का अधिकार है. इससे पहले भी

केजरीवाल अपने कई बयान में दिल्ली सरकार की ओर से दी जा रही मुफ्त सुविधाओं की वकालत कर चुके हैं. यहां तक कि उन्होंने पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात में चुनाव से पहले कई सुविधाएं मुफ्त देने का वादा किया है.

केजरीवाल ने शनिवार को जामनगर में अपनी चुनावी रैली के दौरान कहा कि क्या दिल्ली सरकार ने गरीबों को मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराकर कुछ गलत किया है. गुजरात में कारोबारियों के साथ एक बैठक के दौरान केजरीवाल ने बगैर किसी का नाम लिए कहा कि मित्रों का 11 लाख करोड़ माफ करना सही है या फिर बच्चों को मुफ्त शिक्षा देना सही है. पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने रेवड़ी कल्चर या वोट पाने के लिए मुफ्त सुविधाएं देने के खिलाफ लोगों को आगाह किया था. जिसके बाद केजरीवाल ने अपनी पार्टी के शासन वाले राज्यों दिल्ली और पंजाब में कल्याणकारी योजनाओं का बचाव किया है.

## सोनिया गांधी – देश की आजादी की पूरी ताकत से रक्षा करें, RSS पर साधा निशाना.



भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को देशवासियों से 'पूरी ताकत' के साथ देश की आजादी की रक्षा करने का आह्वान किया। वहीं कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने उस समय क्रूर दमन के बीच अंग्रेजों का समर्थन किया था।

अपने संदेश में कहा कि इस ऐतिहासिक दिन जब लाखों-लाख कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा गया और उन्हें जेल में डाला गया। अरुणा आसफ अली ने राष्ट्रीय ध्वज को ऊंचा रखा। सोनिया गांधी ने कहा कि उनका साहसिक कार्य आजादी की हमारी खोज का प्रतीक बन गया।

**आइए महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले भारत छोड़ो आंदोलन की याद में हम उस कीमत को न भूलें** कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा। “आइए महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले भारत छोड़ो आंदोलन की याद में हम उस कीमत को न भूलें जो हमारे लाखों देशवासियों और महिलाओं ने भारत की आजादी के लिए चुकाई है।

आइए हम इसकी रक्षा करने के संकल्प को पूरी ताकत के साथ ताजा करें।” वहीं कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा। जब कांग्रेस के नेतृत्व में देश अंग्रेजों के खिलाफ एक निर्णायक संघर्ष में लगा हुआ था। आरएसएस ने न केवल आंदोलन का बहिष्कार किया था बल्कि अंग्रेजों का सक्रिय रूप से समर्थन भी किया।

## महाराष्ट्र में मिला नोटों का पहाड़ – 56 करोड़ रुपये नकद गिनने में लगे 13 घंटे.



महाराष्ट्र के जालना में आयकर विभाग की छापेमारी के दौरान एक स्टील कारोबारी और रियल एस्टेट डेवलपर के परिसरों से लगभग 100 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति जब्त की गई है। जब्त संपत्ति में 56 करोड़ रुपये नकद, 32 किलोग्राम सोना, हीरे-मोती और संपत्ति के कागजात शामिल हैं। वहीं इतनी भारी नकदी को गिनने में 13 घंटे से अधिक समय लग गए।

बता दें कि आयकर विभाग ने यह कार्रवाई 1 से 8 अगस्त के बीच की है। अभी और भी जगह छापेमारी चल रही है। इस कार्रवाई में 250 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल थे। आयकर विभाग ने अपनी टीम को पांच अलग-अलग भागों में बांट रखा था और छापेमारी के लिए 100 से ज्यादा गाड़ियों का इस्तेमाल किया। कपड़ा और स्टील कारोबारी के घर से मिले कैश को जालना के ही स्थानीय स्टेट बैंक की शाखा में ले जाकर गिना गया।

बुधवार सुबह 11 बजे से कैश गिनने का काम शुरू हुआ और रात करीब एक बजे तक कैश गिनने का काम खत्म हुआ। वहीं एक और कार्रवाई में आबकारी टीम ने ओडिशा के गंजम जिले के लांजीपल्ली में महाराष्ट्र के एक व्यवसायी के पास से 1.22 करोड़ रुपये से अधिक नकद और लगभग 20 सोने के बिस्कुट बरामद किए। बताया जा रहा है कि ये नकद गांजे की तस्करी को रोकने के लिए चलाए गए अभियान के दौरान जब्त किए गए।



## London children under nine to get Polio vaccine after more virus detected in sewage.

British health authorities have advised that one-nine-year-Olds throughout London receive a polio vaccine booster, after detection of the poliovirus in sewage from eight London boroughs, the U.K. Health Security Agency said on Wednesday. The overall risk, nationally, of paralytic polio was low, the UKHSA added, because most people are protected by vaccination. After type 2 poliovirus (PV2)



After type 2 poliovirus (PV2) was found in the Beckton (London) sewage treatment plant in February, further sampling was done stream between February and July and found at

least one sewage sample with the virus in each of eight London boroughs. There was “high genetic diversity” among the PV2 isolates, as per UKHSA, indicating that the transmission

may have gone beyond a close group of persons. The U.K. was declared polio-free in 2003, with the last known case of polio in the U.K. in 1984. Polio has been eradicated from most countries in the world, with India achieving that milestone in 2014, as per the World Health Organization. The disease is still considered endemic in Pakistan and Afghanistan. Of the 116 PV2 isolates that were identified in London.

## पूर्व सांसद उमाकांत यादव को उम्रकैद, जीआरपी सिपाही की हत्या में 27 साल बाद फैसला.



पूर्व सांसद उमाकांत यादव को सोमवार को जौनपुर की अदालत से बड़ा झटका लगा है। उमाकांत को जीआरपी सिपाही की हत्या में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। खचाखच भीड़ के बीच अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश शरद कुमार त्रिपाठी ने उमाकांत के साथ ही सात दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मुख्य आरोपी उमाकांत को 5 लाख और अन्य को 20-20 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है।

मामला 27 साल पुराना है। 1995 में चालक को शाहगंज जंक्शन पर रेलवे चौकी से छुड़ाने के लिए उमाकांत और उनके साथियों ने फायरिंग की थी। इसमें जीआरपी सिपाही अजय सिंह की मौत हो गई थी। सिपाही लल्लन समेत तीन लोग घायल हुए थे। वारदात के बाद उमाकांत समेत अन्य के खिलाफ हत्या व हत्या के प्रयास के अलावा बल्वा की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया था।

उमाकांत यादव को शनिवार को अदालत ने दोषी ठहराया था। सभी दोषियों को कस्टडी में लेकर जेल भेज दिया गया था और फैसले के लिए सोमवार की तारीख तय की गई थी। चार फरवरी, 1995 को दोपहर दो बजे शाहगंज जंक्शन पर पूर्व सांसद उमाकांत यादव के समर्थकों ने राइफल, पिस्टल व रिवाल्वर से अंधाधुंध फायरिंग करते हुए जीआरपी के लोकअप में बंद चालक राजकुमार यादव को जबरन छुड़ा लिया। गोलीबारी में जीआरपी सिपाही अजय सिंह की मौत हो गई थी। गोली लगने से रेलकर्मी निर्मल लाल, यात्री भरत लाल व लल्लन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जीआरपी सिपाही रघुनाथ सिंह की तहरीर पर पूर्व सांसद उमाकांत यादव, चालक राजकुमार यादव, धर्मराज यादव, महेंद्र, सूबेदार, बच्चू लाल समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।



## *Gaza hospital at breaking point after Israeli bombardment.*



For days, Palestinian health officials had been issuing warnings of an imminent stop in the provision of medical services due to the lack of fuel needed to operate the electricity generators in hospitals and health facilities across Gaza.

The Strip's only power plant had shut down on Saturday, days after Israel stopped the planned transport of fuel into the territory. The situation is so sad and unimaginable," Ashkinan, 65, said at the hospital. "No human being can bear what we bear – from the war going on against us, the defenseless civilians, or from the constant power cuts or the running out of fuel?

"What is our fault, and what is the fault of our children, for all this to happen to them?" At least 15 children were among the 44 people killed in the Gaza Strip in three days of Israeli bombardment, according to Palestinian health ministry officials.

Late on Sunday, Israel and the Palestinian Islamic Jihad armed group declared a truce that appeared to be holding on Monday morning.

Mohammad Abu Salmiya, Shifa's director, said the collapse of the health sector was an inevitable result of the 15-year Israeli blockade imposed on the Strip. Now, he added, the electricity crisis only came to exacerbate the sector's woes, paralyzing all departments and especially the intensive care unit, the oxygen-generating stations and nurseries. "There are more than 25 injuries who need surgeries; there are wounded in intensive care departments in critical conditions, and there are children, women and the elderly who are injured," he told Al Jazeera on Sunday.

The numbers indicate the excessive use of force in the Israeli bombing. There are injuries that require medical interventions from different specialties," Abu Salmiya said, warning that the health sector faced "a real catastrophe" if Israel renewed its offensive. "The doctors here are doing everything they can to help the wounded, but the weakness of the capabilities and the pressure of the cases hinder them."

"We are simple people; we were sitting in our homes safely, and [in] every war we are subjected to displacement and bombing. We are very tired. "The Israeli bombardment of Gaza was the worst since an 11-day war in May last year that killed more than 260 Palestinians and wounded some 2,000 others.

The latest onslaught began on Friday, when Israel launched what it said was a "preemptive" operation against Islamic Jihad.

Palestinian observers said the attack was weeks in the making by the Israeli government, calling it a deliberate act to gain legitimacy ahead of new elections in November. "It was a normal day when we had lunch, until we heard a huge explosion; then the walls of the house collapsed on us," said Ahmed Abu Ramadan, the brother of Islam Abu Ramadan, who was wounded on Friday when Israel struck an apartment next to theirs in residential Palestine Tower in Gaza City.

"It was a very traumatic moment. I carried my sister, and I was screaming to save my father and mother," recalled Ahmed, 23.

Islam sustained injuries to her hand, face and body. Her parents were also moderately injured and are still under medical care. "Stopping medical services for the wounded in these circumstances is a death sentence for us and all the residents of the Gaza Strip," Ahmed said.

The situation is unbearable, and people are in a very difficult psychological state.

When will the world move to end the injustice against the people of the Gaza Strip?



## गोटाबाया राजपक्षे पहुंचे थाईलैंड, इस शर्त के साथ मिली 90 दिन रहने की इजाजत.



श्रीलंका के अपदस्थ राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे गुरुवार को अपना अल्पकालिक यात्रा पास समाप्त होने के बाद सिंगापुर से थाईलैंड के लिए रवाना हो गए। एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से ये खबर आई है। राजपक्षे सिंगापुर से बैंकॉक के लिए एक विमान में सवार हुए। थाईलैंड ने एक दिन पहले पुष्टि की थी कि उसे गोटाबाया की यात्रा के लिए वर्तमान श्रीलंका सरकार से अनुरोध मिला था। द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, मीडिया के सवालियों के जवाब में सिंगापुर के इमिग्रेशन एंड चेकपोइंट्स अथॉरिटी ने कहा कि राजपक्षे ने गुरुवार को सिंगापुर छोड़ दिया।

प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा ने बुधवार को 73 वर्षीय श्रीलंकाई नेता की मानवीय कारणों से थाईलैंड की एक अस्थायी यात्रा की पुष्टि की। साथ ही कहा कि राजपक्षे ने स्थायी शरण के लिए अपनी खोज के दौरान राज्य में सियासी गतिविधियों नहीं चलाने का वादा किया था।

सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच जुलाई में राजपक्षे श्रीलंका से भागकर सिंगापुर पहुंचे थे। गुरुवार को उनका सिंगापुर का वीजा खत्म होने के कारण वह थाईलैंड में शरण ले रहे हैं। 13 जुलाई को मालदीव के लिए उड़ान भरने के बाद राजपक्षे यहां से सिंगापुर भाग गए थे। यहां से उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा की।

बैंकॉक पोस्ट अखबार ने प्रयुत के हवाले से कहा कि यह एक मानवीय मुद्दा है। हमने वादा किया है कि यह एक अस्थायी प्रवास है। किसी तरह की (राजनीतिक) गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी और इससे उन्हें शरण लेने के लिए एक देश खोजने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेश मंत्री डॉन प्रमुदविनई ने कहा कि अपदस्थ राष्ट्रपति थाईलैंड में 90 दिनों तक रह सकते हैं क्योंकि वह अभी भी एक राजनयिक पासपोर्ट धारक हैं। डॉन ने कहा कि श्रीलंका सरकार ने यात्रा का विरोध नहीं किया और थाई सरकार उनके लिए आवास की व्यवस्था नहीं करेगी।

## LG का सख्त एक्शन, 11 DDA अफसरों पर FIR दर्ज करने के आदेश.



दिल्ली के उप-राज्यपाल वीके सक्सेना भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहे हैं। भ्रष्टाचार में संलिप्त अफसरों और इससे जुड़े पुराने मामलों में ताबड़तोड़ एक्शन ले रहे हैं। हाल ही में जहां दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021 को लागू करने में की गई वित्तीय अनियमितताओं और गड़बड़ियों के लिए एक आईएस. दानिक्स और दूसरे अन्य कर्मचारियों को सस्पेंड करने के आदेश दिए थे वहीं अब ताजा मामला दिल्ली विकास प्राधिकरण के भ्रष्ट अफसरों का सामने आया है।

डीडीए के इन 11 भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने डीडीए में व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायतों पर गंभीर संज्ञान लेते हुए 11 अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। दिलचस्प बात यह है कि एलजी वीके सक्सेना ने जिन 11 डीडीए अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं वह मामला 9 साल पुराना है। इसमें 9 अधिकारी रिटायर भी हो चुके हैं। एलजी ने 9 साल पुराने इस मामले में पाया है कि वित्तीय हेराफेरी की गई। इसके चलते ही इन सभी नौ अफसरों को जोकि रिटायर हो चुके हैं।

उनकी पूरी तरह से पेंशन सेवा को वापस लेने के निर्देश दिए हैं। बताते चलें कि यह मामला वर्ष 2013 में प्रकाश में आया था। अब जिन 11 अफसरों पर एफआईआर की जा रही है उन सभी के उपर विभागीय वित्तीय गड़बड़ी करने के आरोप लगे हैं। इससे पहले एलजी एमसीडी के अफसरों के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई कर चुके हैं। उप-राज्यपाल दिल्ली विकास प्राधिकरण के चेयरमैन भी होते हैं।

## *I Don't Like Modi's India; History Won't Be Kind to Him: Romila Thapar*



In an interview about how she views the last 75 years of India's independence and what sort of country India has become, prominent historian Romila Thapar has said she "doesn't like Modi's India". Explaining why, she said it's too narrow and too limited. Romila Thapar says Modi's India does not represent the fulfilment of the dreams and expectations she had in 1947 when she was a 15-year-old who was terribly excited by independence. Speaking as a historian about how history is likely to remember Narendra Modi, she made it clear that it is unlikely to be kind to him. He may be a colossus, but history finds that all colossi have cracked feet.

In a 42-minute interview with Karan Thapar for The Wire, which is part of a continuing series of interviews about India at 75, Romila Thapar also said that India's middle class is letting down the country. She says it's not sufficiently loyal to the idea of India. The interview begins with Romila Thapar explaining what independence meant to a young 15-year-old in 1947. She speaks of her dreams and expectations which she illustrates with personal anecdotes from her life. These anecdotes also explain the strengths and qualities that allowed India to defy doubters who were prophesying that it would not survive as a united country. Romila Thapar says Nehru laid the foundations of India which have kept us going. She describes the Nehruvian India she knew from the age of 15 till 32. She talks about the Emergency as well as how she views the rise of Narendra Modi and his emphasis on Hindutva and Hindu nationalism.

Describing India's ruling class as people who have largely worked in their own interests, Romila Thapar says that India has not adequately handled the two great challenges it faced in 1947 – of caste and poverty. Romila Thapar speaks at length about attempts to re-write Indian history and to view the period from 1200 to 1800 in terms of religion and a Hindu-Muslim divide. Watch this section for yourself to understand it fully. It explains why the new interpretation of history in terms of religion and a Hindu-Muslim divide is mistaken and amounts not just to distortion but untruth.

This interview of Romila Thapar with Karan Thapar for The Wire is the latest in a series of select interviews to mark the 75th anniversary of Independence and explore what this anniversary means. As part of the series, Shashi Tharoor and Hamid Ansari have already been interviewed. Interviews of former BJP Rajya Sabha MP Swapan Dasgupta and the well-known historian Ramachandra Guha will follow.



## *Govt clarifies on the new rule of GST on residential properties.*



The government has clarified on the new GST or goods and services tax rules on rent, which came into effect from 18th July. In a tweet, PIB said that “renting of residential unit taxable only when it is rented to business entity.” It further clarified that “no GST when it is rented to private person for personal use; no GST even if proprietor or partner of firm rents residence for personal use.”

According to tax experts, until 17th July 2022, GST was applicable on the rent of a commercial property but from 18th July 2022, GST shall be charged if such residence is rented or leased by a GST-registered person/entity. As recommended at the 47th GST Council meeting, the tenant should pay 18 per cent GST on a reverse charge basis (RCM).

However, they can claim this value as a deduction while they pay tax on sales in GST returns.

Mahesh Jaising, Partner, Leader – Indirect Tax at Deloitte India said, “Renting of residential dwellings up to 17th July 2022 was exempt regardless of the status of the tenant i.e. whether the service provider or service recipient is registered or unregistered. This meant that renting of property for residential purposes was exempt for all. However, w.e.f. 18th July 2022, a tenant who is GST-registered will become liable to GST on renting for residential purposes under the reverse charge mechanism.

“Mahesh Jaising went on to add that there is no tax that is required to be discharge by the landlord whether the tenant is registered or not. The only change that has been brought about is that a tenant who is GST-registered will no longer be able to claim the benefit of exemption from GST on residential dwellings. Tax will need to be discharged by such tenants under RCM.

Archit Gupta, Founder and CEO at Clear said, “If any common salaried person has taken a residential house or flat on rent or lease, they do not have to pay GST. However, a GST-registered person/entity who carries out business or profession must incur 18 per cent GST on such rent paid to the owner. They can claim the input tax credit on the GST paid towards rent or lease on residential property.”

As per the update, ‘Persons’ include individuals as well as corporate entities. GST registration is needed when any person carries on business or profession and makes an annual turnover more than the threshold limit defined under the GST law.

“The limit varies according to the nature of supply and state or UT where the principal place of supply is located. If the person supplies services alone, ₹20 lakh per financial year is the limit. The limit is ₹40 lakh for a supplier of only goods. However, if registration is obtained from northeastern or special category states, the limit is lowered to ₹10 lakh,” said Archit Gupta, adding, “If you are registered as a composition taxable person, you cannot claim the input tax credit on rental expenses but might still have to pay GST on rent on a reverse charge basis.”

Speaking on this GST rule change, Mahesh Jaising said, “The change will impact corporate houses who have taken residential units on rent for their employees. GST will now be required to be paid by such registered taxpayers under reverse charge and can impact on the P&L,

## कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों पर धनवर्षा करेगी योगी सरकार, योगी सरकार खेल और खिलाड़ियों के लिए समर्पण भाव से काम कर रही है।



सरकार की योजनाओं और सुविधाओं का नतीजा भी देखने को मिल रहा है। हाल ही में संपन्न हुए बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उत्तर प्रदेश के 8 खिलाड़ियों ने देश के लिए मेडल्स जीतकर न सिर्फ देश का बल्कि प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया है। इन सभी पदकवीरों को उत्तर प्रदेश सरकार पूर्व निर्धारित नकद इनाम व अन्य सुविधाओं से सम्मानित करेगी। गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने नई खेल नीति के तहत हाल ही में घोषणा की थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल्स जीतने वाले खिलाड़ियों को उचित सम्मान और पद से नवाजा जाएगा।



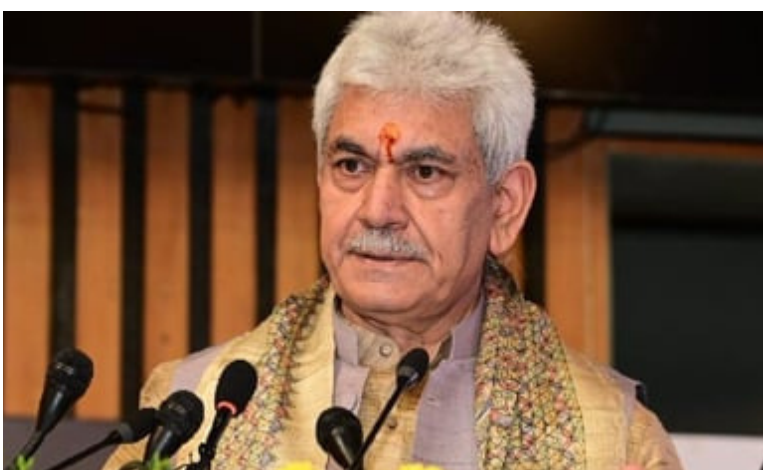
इसके तहत, स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को 75 लाख रुपये और कांस्य पदक जीतने वाले को 50 लाख रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। साथ ही, सभी पदकवीरों को राजपत्रित अधिकारी का पद भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक प्राप्त करने वाले और प्रतिभाग करने वाले हर खिलाड़ी को सम्मानित करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को अपनी खेल नीति के अनुसार अतिरिक्त सम्मान और नौकरी भी प्रदान करेगी।

उत्तर प्रदेश के 8 खिलाड़ी इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने में कामयाब रहे हैं

या फिर पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। 10 किमी. पैदल चाल में जहां मेरठ की प्रियंका गोस्वामी ने रजत पदक जीता है तो वहीं रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम में मेरठ की दीप्ति शर्मा और बिजनौर की मेघना सिंह भी शामिल रही हैं। इसके अलावा, रजत पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम में वाराणसी के ललित उपाध्याय ने भी अहम भूमिका निभाई। वाराणसी के जूडोका विजय कुमार यादव, मुजफ्फरनगर की पहलवान दिव्या काकरान, मेरठ की भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी एवं महिला हॉकी टीम की सदस्य वंदना कटारिया ने देश के लिए कांस्य पदक जीतने में सफलता पाई है। पदकवीरों के साथ-साथ कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सेदारी के लिए भी 5 खिलाड़ियों को भागीदारी राशि के तौर पर 5-5

लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। इनमें मेरठ की चक्का फेंक, डिस्कस थ्रो खिलाड़ी सीमा पूनिया, वाराणसी की भारोत्तोलक वेटलिफ्टर पूनम यादव एवं पूर्णिमा यादव, जौनपुर के भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव और संभल की हैमर थ्रो खिलाड़ी सरिता यादव शामिल हैं। नागपंचमी पर गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि खेलों के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश सरकार का खजाना खुला हुआ है।

## आशूरा के मौके पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दिया संदेश.



केंद्रीय शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मुहर्रम 2022 के 10वें दिन आशूरा के मौके पर कर्बला के शहीदों के बलिदान को याद किया। अपने संदेश में उपराज्यपाल ने कहा, 'हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत ने मानवता को न्याय, मूल्यों और धार्मिकता के लिए प्रयास करने के लिए निर्देशित किया है।

उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की और लोगों से जरूरतमंदों और वंचितों के लिए काम करने का आग्रह किया। मुहर्रम गम और मातम का महीना है, जिसे इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग मनाते हैं।



## उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को सदन ने दी विदाई, पीएम मोदी बोले- भावुक पल.



उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू को आज संसद में विदाई दी गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर पक्ष व विपक्ष के सभी नेता मौजूद रहे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सदन के लिए ये बहुत भावुक पल है। सदन के कितने ही ऐतिहासिक पल आपकी गरिमामई उपस्थिति से जुड़े हैं। आपका जज्बा और लगन हम लोगों ने निरंतर देखी है। मैं प्रत्येक माननीय सांसद और देश के हर युवा से कहना चाहूंगा कि वो समाज, देश और लोकतंत्र के बारे में आपसे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आपने हर काम में नए प्राण फूंकने का प्रयास किया है। सदन के सभापति के रूप में हमने आपको अलग-अलग जिम्मेदारियों में बड़ी लगन से काम करते हुए देखा है। आपने कभी भी किसी काम को बोझ नहीं माना। व्यक्तिगत रूप से मेरा ये सौभाग्य रहा है कि मैंने बड़े निकट से आपको अलग-अलग भूमिकाओं में देखा है। मुझे आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का भी मुझे सौभाग्य मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा, उपराष्ट्रपति के रूप में आपने सदन के बाहर जो भाषण दिए, उनमें करीब 25% युवाओं के बीच में रहे हैं। आप देश के एक ऐसे उपराष्ट्रपति हैं, जिसने अपनी सभी भूमिकाओं में हमेशा युवाओं के लिए काम किया है। सदन में भी हमेशा युवा सांसदों को आगे बढ़ाया और उन्हें प्रोत्साहन दिया। पीएम मोदी ने कहा, आजादी के अमृत महोत्सव में आज जब देश अपने अगले 25 वर्षों की नई यात्रा शुरू कर रहा है। तब देश का नेतृत्व भी एक तरह से एक नए युग के हाथों में है। इस बार हम ऐसी 15 अगस्त मना रहे हैं, जब देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, स्पीकर और प्रधानमंत्री सब के सब आजाद भारत में पैदा हुए हैं और सब के सब बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं।

उपराष्ट्रपति के विदाई समारोह के मौके पर विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, आपने सभी प्रमुख राज्यों में उच्च सदन के लिए राष्ट्रीय नीति की वकालत की थी। आपने महिला आरक्षण विधेयक और अन्य मुद्दों पर आम सहमति की भी बात की। मुझे विश्वास है कि आप जो काम अधूरे छोड़ रहे हैं उसे सरकार पूरा करेगी। खड़गे ने कहा, हम दो अलग-अलग विचारधाराओं के लोग हो सकते हैं। मुझे आपसे कुछ शिकायतें भी हो सकती हैं, लेकिन आपने इतनी कठिनाई और दबाव में भी अपनी भूमिका निभाई – इसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं।

## 2024 में बनेंगे 26 ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे: नितिन गडकरी



केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में बताया कि वर्ष 2024 खत्म होने से पहले देश में 26 ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे बनाए जाएंगे। इन पर 125-130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सफर पूरा होगा। उन्होंने दावा किया कि 2024 खत्म होने से पहले तक देश का रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर अमेरिका की टक्कर का होगा। नितिन गडकरी ने कहा, इस समय नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत है। मैं सदन में ऑन-रिकॉर्ड यह बात कह रहा हूँ कि मैं हर साल 5 लाख करोड़ रुपये की सड़क बना सकता हूँ। हमारे पास पैसे की कमी नहीं है।

# भारतीय महिला हॉकी टीम से हुए अन्याय पर एफआईएच ने माफी मांगी.



कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में महिला हॉकी के सेमीफाइनल मैच के दौरान भारतीय टीम के साथ हुई बेईमानी पर एफआईएच ने माफी मांगी है। इस मैच में पेनल्टी शूटआउट के दौरान रेफरी की गलती के चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहला गोल करने के लिए दो मौके मिले थे। इस वजह से भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद इस मामले पर जमकर बवाल हुआ और अब एफआईएच ने पूरे मामले पर माफी मांगी है और इस घटना की समीक्षा करने की बात कही है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में महिला हॉकी के सेमीफाइनल मैच के दौरान भारतीय टीम के साथ हुई बेईमानी पर एफआईएच ने माफी मांगी है। इस मैच में पेनल्टी शूटआउट के दौरान रेफरी की गलती के चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहला गोल करने के लिए दो मौके मिले थे। इस वजह से भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद इस मामले पर जमकर बवाल हुआ और अब एफआईएच ने पूरे मामले पर माफी मांगी है और इस घटना की समीक्षा करने की बात कही है। दर्शकों ने भी तकनीकी अधिकारियों के फैसले पर गुस्सा जताया था।

मैदान पर भारतीय टीम की कोच शोपमैन और बाकी खिलाड़ी रेफरी से बहस भी करती हुई दिखती हैं कि इसमें टीम इंडिया की क्या गलती है। हालांकि, रेफरी ने भारतीयों की बात नहीं सुनी और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को दूसरा मौका दिया गया। एफआईएच ने बयान में कहा, "बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऑस्ट्रेलिया और भारत की महिला टीमों के बीच खेले गए सेमीफाइनल मैच के दौरान शूटआउट गलती से बहुत जल्दी शुरू हो गया था (तब घड़ी संचालित होने के लिए तैयार नहीं थी) जिसके लिए हम माफी मांगते हैं।"

बयान में आगे कहा गया है, "इस तरह की परिस्थिति में दोबारा पेनल्टी शूटआउट लेने की प्रक्रिया है और ऐसा किया भी गया। एफआईएच इस घटना की पूरी जांच करेगा ताकि भविष्य में इस तरह के मसलों से बचा जा सके।" ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच हारने के बाद भारतीय खिलाड़ी रो पड़ीं। कप्तान सविता पुनिया से मैच के बाद जब सवाल पूछे गए तो उनकी आंखों में आंसू थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह खेल का हिस्सा है और हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। इसे मैनेजमेंट को देखना है। वहीं, भारतीय टीम की कोच शोपमैन ने साफतौर पर आयोजकों की आलोचना की।

## SUBSCRIPTION FORM TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
—	5,000/-	Life

Name : .....  
Address : .....

Email: .....  
Contact Phone No. ....  
for donation ☐ /life ☐ /10 yrs ☐ /5 yrs ☐ subscription  
The sum of Rupees..... (Rs...../-)  
through cheque/DD No.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :

Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I,  
Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025  
or email : [timesofpedia@gmail.com](mailto:timesofpedia@gmail.com)

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi  
Punjab National Bank, Nanak Pura Branch,  
New Delhi-110021  
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153



*Ending  
Someone's  
thirst is  
the  
Biggest  
Deed of  
Humanity*

## ADVERTISEMENT TARIFF TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

### MECHANICAL DATA:

Language: English, Hindi and Urdu

Printing: Front and Back - 4 Colours, Inside pages - B&W

No. of Pages: 12 pages (more in future)

Price: Rs. 3/-

Print order: 25,000

Periodicity: Weekly

Material details: Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

Bank transactions details of TIMES OF PEDIA

Send your subscriptions/memberships/donations etc.

(Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi

Punjab National Bank, Nanak Pura Branch, New Delhi-110021

A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700



## विज्ञापन

**اے اینڈ ایس فارمیسی**

ए एम् ए एस फार्मसी का सम्मान  
आधुनिक व गुलाबी का कलरम्



Marketed By :  
**A & S PHARMACY®**  
A-143, CHANAKYAN BAZAR, DELHI-110051  
E-mail: aandspharmacy@gmail.com  
9350578519

अच्छाई के लिए उभारना और बुराई से रोकने को भी अपने काम में शामिल करें। पहले अपने ही उस इलाके भूमि पुनर्वास के कुर्ब नराल होने से तो कहते थे मैं तुम्हें बच देता हूँ। इसे दूसरे अर्थ में बदला भी कह सकते हैं। अगर दुआ से कबूतर बचत जाती है तो बदला से क्या होगा? नहीं या अच्छे काम करने से अब सभी होती है इसके अलावा भी या बुरे काम करने से क्या होगा?

**TALENT ZONE**  
ACADEMY for NEET / IIT-JEE

**NEET & IIT-JEE RESULT 2021**

CONTACT NO:  
8829050030  
8829050031  
8829050032

1-5879, JALPA, Near Ganga Vihar,  
Chandigarh (Gurgaon) Station  
New Delhi-122001

579  
580  
608  
96%

**Sana homoeopathy Aligarh**

**HOMEOPATHY  
MEDICINE  
FOR**

**DIABETES**

9760291236

*Congratulations*  
TO THE YOUNG AND TALENTED  
STUDENTS OF  
TALENT ZONE ACADEMY  
FOR ACHIEVING SUCH MARKS IN  
NEET & IIT.

*You all have proved that great things can be achieved through hard work and efforts. I would like to congratulate the faculty team of the Talent Zone Academy for their efforts and giving proper guidance to the students. This would be the first step of the beginning.*

**75**  
**Azadi Ka  
Amrit Mahotsav**

चेहरे की चमक और घर की  
ऊँचाईयो पर मत जाना,  
घर के कुजुर्ग अगर  
मुखुराले मिले तो समझ जाना,  
आशियाना अमीरों का है.....



# स्वर्गीय श्री अब्दुल हादी खान स्वतंत्रता संग्राम साईनानी की लड़ाई में गए 17 बार गए जेल.

स्व० श्री अब्दुल हादी खा सावतंत्रता संग्राम सेनानी रामपुर के एक शरीफ और सामान्ये घराने मे सन 1909 ई० मे पैदा हुए! बचपन से ही ज़हन इंकलाबी होने के कारण राजनीती से लगाव था जिसके कारण रामपुर स्टेट को छोड़ना पड़ा और सन 1927 ई० मे बिहार पहुंचे वहा भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री राजेंद्र पिरसाद जी के हातो कांग्रेस पार्टी के सदस्य बने! इस दौरान स्व० अली इमाम बाँट एट ला सदर राष्ट्रीय कांग्रेस, स्व० मुजफ्फरउल हक़, पुरो० अब्दुल बारी, मौलाना आज़ाद इत्तेयादी की संगत मे रह कर सावतंत्रता आंदोलन मे भाग लिया खददर काता क़ददर पहना और इस आंदोलन को तन मन धन् से अपना जीवन बनाया! 1934 ई० मे रामपुर वापस आये और पी, डब्लू, डी, कंस्ट्रकशिन एसोसेशियशन बनाई! सन 1946 ई० मे स्व० अचाररिये नरेन्द्र देव, डॉ० लोहिया, प्रॉ० मुकुट बिहारी लाल, श्री गेंदा सिंह, श्री सेठ दामोदर, श्री तिरलोकी बाबू, पूर्व प्रदान मंत्री श्री चंरशेखर जी इत्तेयादी के साथ कांग्रेस छोड़ने और सोशेलिस्ट पार्टी बनाने के साथ 1946 ई० मे रामपुर मे सोशेलिस्ट पार्टी की बुनियाद रखी,



अब्दुल हादी खान (1909-86)

1951 जय प्रकाश नारायण जी की रामपुर आमद पर दफा 144 तोड़ कर एक बड़ा जुलुस निकला जिसके कारण मुकदमा चला और एक रुपए का जुर्माना पड़ा 1952 और 1957 मे M, L, A का चुनाव लड़ा और 1946 से 1965 तक सोशलिस्ट पार्टी और प्रजा सोशल पार्टी के सदर रहे स्व० खान ज़िलें की बहुत से यूनियन, स्कूलों वा कमेटीयो के सदर वा मेंबर रहे 1953 मे रज़ा टेक्सस्टाइल यूनियन कायम कराई 1955 मे ठरक यूनियन और 1957 मे रामपुर मे रिकशा यूनियन कायम कराई और उसके सर प्रस्त रहे शुरू ही से मज़दूरों और किसानो और कमज़ोरो के साथ रहे और लग भाग 17 बार जेल भी गए 1972 मे शहर बचावो कमेटी के कनवीनर भी रहे और 1975 मे स्व० जय पिरकाश नारायण जी की तेरीक पर अपने साथियो के साथ गिरफ्तार हुए 28 मई 1961 ई० मे डिस्ट्रिक ब्रिकिलेन एसोसिएशन कायम की जिसके आजीवन सदर रहे कॉल कमेटी ऑफ़ इंडिया के मेंबर रहे 15 अगस्त 1972 को उत्तर प्रदेश सरकार की और से मुख्य मंत्री द्वारा भारत की सावतंत्रता की 25 वी वर्ष गांठ पार्टी ताम्र पत्र से सम्मानित किया गया 14 अप्रैल सन 1986 को स्व० खान का इंतक़ाल हुआ इनके 3 पुत्र है जिनका नाम मरहूम अब्दुल खालिद खान, जो की कलम की महारत रखते थे दूसरे पुत्र मुशरफ ज़मा खान है जो हादी एकेदमी चलाते है तीसरे लड़के मुजाहिद खान हादी वो एक समाज सेवी है.

